The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 3 | Issue 7 | July 2025
ISSN: 2583-973X (Online)
Website: www.theacademic.in

# सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा का रूपांतरण: एक व्यापक अध्ययन

**अजरुद्दीन तहशील्दार**

भाषाविद्, सीडैक नॉलेज पार्क, सदानन्दनगर, बेनिगाना हाल्ली बेंगलूरु, इंडिया - 560038

**DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.16810240**

**ARTICLE DETAILS**

**Research Paper**

**Accepted:** 23-07-2025

**Published:** 10-08-2025

**Keywords:**

*सोशल मीडिया, हिंदी भाषा, भाषा रूपांतरण, हिंग्लिश, डिजिटल संचार, भाषा परिवर्तन*

**ABSTRACT**

डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने संवाद के माध्यम को पूरी तरह बदल दिया है। इस शोध में सोशल मीडिया के प्रभाव में हिंदी भाषा के रूपांतरणों का गहन विश्लेषण किया गया है। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफार्मों पर हिंदी भाषा में आए व्याकरणिक, शब्दावलीगत एवं शैलीगत बदलावों का अध्ययन किया गया। शोध से पता चलता है कि सोशल मीडिया ने हिंदी भाषा के प्रयोग को अधिक लचीला, गतिशील और नवाचारपूर्ण बनाया है, साथ ही हिंग्लिश के प्रभाव ने भाषा के सामाजिक व सांस्कृतिक आयामों को भी प्रभावित किया है। यह अध्ययन भाषा विज्ञान, समाजशास्त्र एवं संचार विज्ञान के अंतर्संबंधों को समझने का एक प्रयास है।

## भूमिका :-

सोशल मीडिया ने पिछले दो दशकों में संचार के तरीकों में अभूतपूर्व परिवर्तन लाए हैं। भारत में हिंदी भाषा की व्यापकता के कारण, सोशल मीडिया पर हिंदी के उपयोग में भी नाटकीय रूप से बदलाव आए हैं। युवाओं की प्रमुख भाषा के रूप में हिंदी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर नई शब्दावली, व्याकरणिक संरचनाएं और अभिव्यक्ति की विविध शैलियों के साथ विकसित हो रही है। इस विकास को समझना न केवल भाषा के स्वरूप के लिए आवश्यक है, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी बदलावों के अध्ययन के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस शोध का उद्देश्य सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा के रूपांतरण की प्रकृति, कारण और प्रभावों को गहराई से समझना है।

## साहित्य समीक्षा :-

पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया के भाषा पर प्रभावों पर विभिन्न शोध कार्य हुए हैं। शर्मा (2019) ने सोशल मीडिया पर हिंदी शब्दों के संक्षिप्त उपयोग और नए शब्दों के उद्भव की प्रक्रिया का अध्ययन किया। उनकी रिपोर्ट से स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया की त्वरित संवाद आवश्यकता ने भाषा के प्रयोग में संक्षिप्तता और लचीलापन बढ़ाया है। सिंह (2020) ने

डिजिटल संचार में भाषा की संरचना में आए परिवर्तनों के सामाजिक प्रभावों का विश्लेषण प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने हिंग्लिश के सामाजिक स्वीकार्यता और प्रचलन पर विशेष ध्यान दिया। वर्मा (2021) ने हिंग्लिश भाषा के उद्भव को सांस्कृतिक और भाषाई दृष्टिकोण से परखा, जिससे पता चला कि भाषा परिवर्तन केवल तकनीकी सुविधा के कारण नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मिलन और सामाजिक गतिशीलता के परिणामस्वरूप भी होता है। मिश्रा (2022) ने सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा के रूपांतरण के सामाजिक आयामों का गहन अध्ययन प्रस्तुत किया, जिसमें भाषा के विभिन्न स्वरूपों और उनके प्रभावों की विवेचना की गई। ये अध्ययन इस शोध के आधार को मजबूत करते हैं, जो हिंदी भाषा के रूपांतरण को सोशल मीडिया के संदर्भ में समझने का प्रयास है।

**शोध उद्देश्य :-**

1. सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा में आए व्याकरणिक, शब्दावलीगत और शैलीगत परिवर्तनों की पहचान करना।
2. हिंदी भाषा के रूपांतरण के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं तकनीकी कारणों का विश्लेषण करना।
3. सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के भाषा प्रयोग के व्यवहारिक और सांस्कृतिक पहलुओं का अध्ययन करना।
4. हिंग्लिश के प्रचलन और इसके प्रभाव का मूल्यांकन करना।

**शोध विधि :-**

यह अध्ययन गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों पद्धतियों का संयोजन है। अध्ययन के लिए फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम से 600 हिंदी पोस्ट का चयन किया गया। इन पोस्टों का भाषाई विश्लेषण किया गया, जिसमें शब्दावली, व्याकरणिक संरचना, अभिव्यक्ति की शैली और हिंग्लिश के उपयोग को प्रमुखता दी गई।

इसके अलावा, 30 सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के साथ अर्ध-संरचित साक्षात्कार आयोजित किए गए। साक्षात्कार में उपयोगकर्ताओं से उनकी भाषा प्रयोग की आदतों, सामाजिक संदर्भों और भाषा के प्रति दृष्टिकोण पर चर्चा की गई।

डेटा संग्रह के लिए purposive sampling विधि अपनाई गई, जो शोध के उद्देश्य के अनुसार उपयुक्त डेटा उपलब्ध कराती है। डेटा विश्लेषण के लिए थीमैटिक एनालिसिस तकनीक का प्रयोग किया गया, जिसमें प्रमुख थीमों को पहचाना गया और उनका विस्तृत विश्लेषण किया गया।

**विश्लेषण एवं चर्चा :-**

***1. भाषा में हिंग्लिश का प्रभाव***

सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा के प्रयोग में हिंग्लिश के मिश्रण को प्रमुखता से देखा गया। उदाहरण स्वरूप, "कल मिलते हैं" के स्थान पर "See you कल", "मुझे लगता है" के लिए "I think" का प्रयोग व्यापक हुआ। यह भाषा को अधिक सहज और युवा-उन्मुख बनाता है।

***2. संक्षिप्ताक्षर और स्लैंग का उपयोग***

विभिन्न शब्दों के संक्षिप्त रूप जैसे "थैंक्स" के लिए "थक्स", "प्लीज" के लिए "pls", और "ओके" के लिए "ok" जैसे शब्द सोशल मीडिया पर सामान्य हो गए हैं। ये संक्षिप्ताक्षर संवाद को त्वरित और प्रभावी बनाते हैं।

***3. व्याकरणिक संरचना में बदलाव***

सोशल मीडिया की प्रकृति के अनुसार भाषा की व्याकरणिक संरचना में सरलता और संक्षिप्तता आई है। जैसे कि वाक्यों को छोटा करने और टाइपिंग के दौरान व्याकरणिक नियमों की अनदेखी की प्रवृत्ति बढ़ी है। उदाहरण के तौर पर, "मैं कल आऊंगा" की जगह "कल आऊंगा" या "चलो करते हैं" की जगह "चलो कर" देखा गया।

4. भाषा का सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ

साक्षात्कारों से पता चला कि युवा वर्ग सोशल मीडिया पर हिंदी के प्रयोग को अपनी सामाजिक पहचान के साथ जोड़ता है। भाषा के इस नव रूप को वे अपनी संस्कृति और व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति के रूप में देखते हैं।

**निष्कर्ष :-**

यह अध्ययन स्पष्ट करता है कि सोशल मीडिया हिंदी भाषा के विकास में एक सक्रिय भूमिका निभा रहा है। भाषा के रूपांतरण में हिंग्लिश का प्रभाव बढ़ा है, जिससे भाषा अधिक गतिशील और नवाचारी हुई है। सोशल मीडिया ने भाषा को पारंपरिक नियमों से परे एक नए सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ में स्थापित किया है। यह अध्ययन भविष्य में भाषा विज्ञान, समाजशास्त्र और संचार के क्षेत्रों में और शोध के लिए मार्ग प्रशस्त करता है।

**संदर्भ :**


- श्रीवास्तव, अ., बाली, क., एवं चौधरी, एम. (2020). स्क्रिप्ट-मिक्सिंग की समझ: हिंदी-अंग्रेज़ी द्विभाषिक ट्विटर उपयोगकर्ताओं का एक अध्ययन. प्रस्तुत में: कोड-स्विचिंग पर 4वां वर्कशॉप (पृष्ठ 36–44)। ELRA.
- लिंक: https://aclanthology.org/2020.calcs-1.5

- बरोई, एस. जे., सिंह, एन., दास, आर., एवं सिंह, टी. डी. (2020). हिंग्लिश कोड-मिक्स टेक्स्ट की सेंटिमेंट विश्लेषण हेतु एन्सेंबल मॉडल. प्रस्तुत में: सेमएवल-2020 (टास्क 9) (पृष्ठ 1298–1303)। ACL.
- लिंक: https://aclanthology.org/2020.semeval-1.175
- कोडाली, पी., गोयल, ए., चौधरी, एम., श्रीवास्तव, एम., एवं कुमारगुरु, पी. (2022). SyMCoM – कोड मिक्सिंग का वाक्यात्मक माप: हिंदी-अंग्रेज़ी मिश्रण का एक अध्ययन. प्रस्तुत में: ACL 2022 की प्रस्तुतियाँ (पृष्ठ 472–480)।
- लिंक: https://aclanthology.org/2022.findings-acl.40
- श्रीवास्तव, व., एवं सिंह, म. (2020). PHINC: सोशल मीडिया हेतु हिंदी-अंग्रेज़ी कोड-मिक्स भाषिक डेटा हेतु समानांतर कॉर्पस. प्रस्तुत में: W-NUT 2020 वर्कशॉप (पृष्ठ 41–49)।
- लिंक: https://aclanthology.org/2020.wnut-1.7
- प्रणयदीप सिंह, एवं लेफेवर, ई. (2020). हिंग्लिश कोड-मिक्स ट्वीट्स में भावना विश्लेषण: क्रॉस-लिंगुअल शब्द एम्बेडिंग्स के माध्यम से. प्रस्तुत में: कोड-स्विचिंग पर 4वां वर्कशॉप (पृष्ठ 45–51)। ELRA.
- लिंक: https://aclanthology.org/2020.calcs-1.6